Daily Current Affairs

Date : 09 May, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	जयपुर में 'जॉइंट कमांडर्स कॉन्फ्रेंस' का दूसरा संस्करण
2.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) के लिए 10 सूत्रीय एजेंडा
3.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. त्रिनिदाद और टोबैगो में 'जयपुर फुट प्रोस्थेटिक लिम्ब' केंद्र का उद्घाटन 2. जोधपुर में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग (CSTT) की बैठक 3. राजस्थान के शहरी विकास और आवास (UDH) मंत्री का डेनमार्क दौरा 4. ऋण वसूली अधिकरण द्वारा विशेष लोक अदालत का आयोजन 5. हैदराबाद में GRAM - 2026 के तहत इन्वेस्टर्स मीट 6. राजस्थान में 83वाँ अंगदान 7. नवीन आपराधिक कानूनों और साइबर कानून पर कार्यशाला
4.	कृष्णा स्वामीनाथन और लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि
5.	गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर: 165वीं जयंती
6.	स्वराज द्वीप (हैवलॉक द्वीप)
7.	पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री: शुभेंदु अधिकारी
8.	'भारत में अपराध, 2024' रिपोर्ट
9.	सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन (TARA) हथियार
10.	भारतीय नौसेना की पांचवीं फ्लीट सपोर्ट शिप की 'स्टील कटिंग'
11.	सिंदूर ऑपरेशन: 1 वर्ष

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

जयपुर में 'जॉइंट कमांडर्स कॉन्फ्रेंस' का दूसरा संस्करण

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में जयपुर के सप्त शक्ति कमांड (दक्षिण – पश्चिम कमान) में जॉइंट कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (JCC-2026) का दूसरा संस्करण आयोजित किया गया।

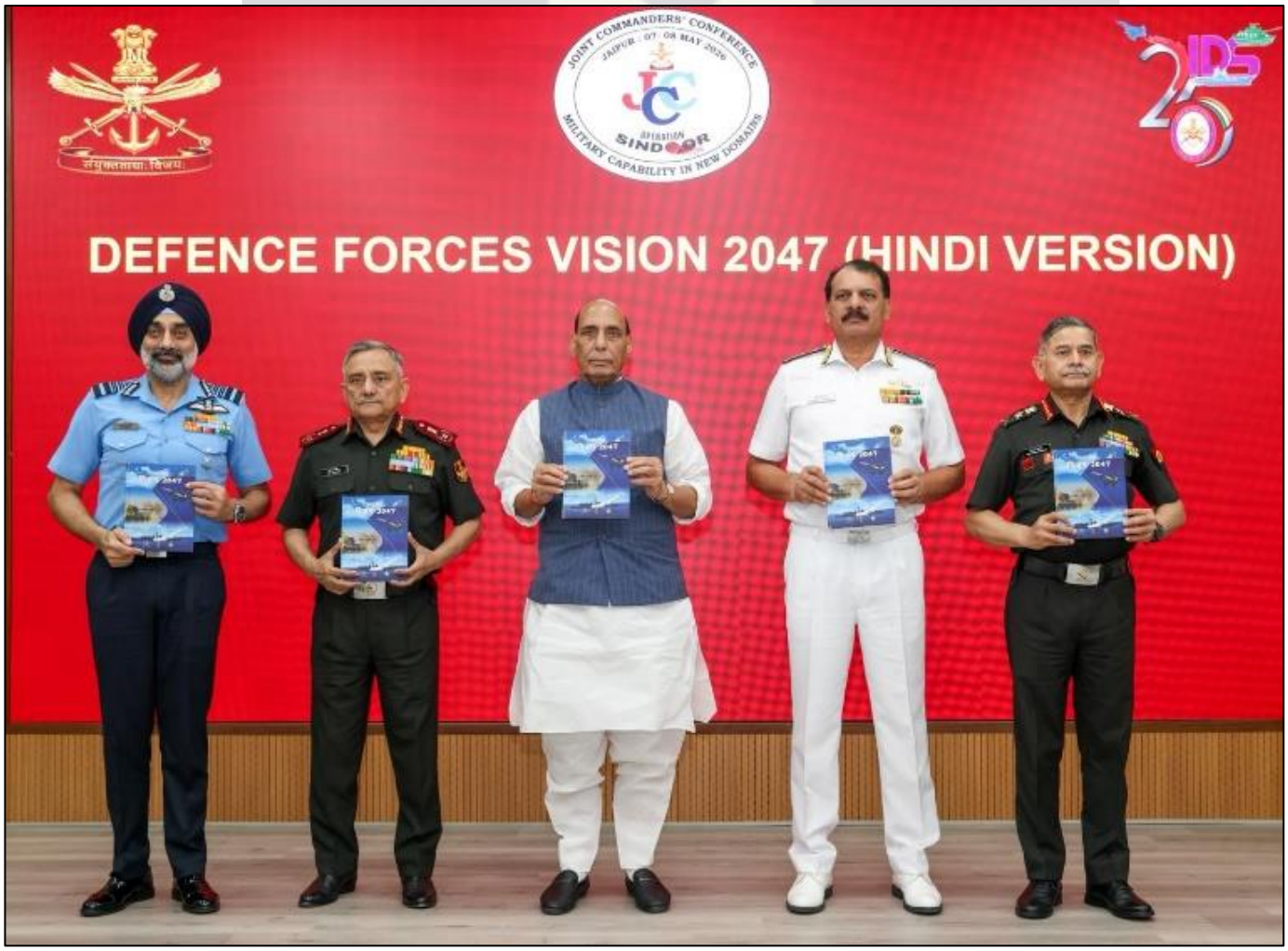

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन अवधि :** 7 और 8 मई, 2026

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **भागीदारी :** अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के शीर्ष कमांडर।
- **मुख्य विषय (Theme) :** मिलिट्री केपेबिलिटी इन न्यू डोमेन्स।
- **फोकस क्षेत्र :** सम्मेलन में भविष्य के युद्धों की चुनौतियों, जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), साइबर युद्ध, अंतरिक्ष युद्ध, संज्ञानात्मक युद्ध (Cognitive Warfare) और मानवरहित प्रणालियों (Drones) पर चर्चा की गई।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

'एक सैनिक की डायरी' का विमोचन

- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने 8 मई, 2026 को जयपुर के सप्त शक्ति कमांड ऑडिटोरियम में 'एक सैनिक की डायरी' नामक पुस्तक का लोकार्पण किया।
- यह पुस्तक मानद कैप्टन मोहर सिंह बैंसला की निजी डायरी पर आधारित है, जिसे उन्होंने अपनी 28 वर्षों की सैन्य सेवा (1943-1971) के दौरान लिखा था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) के लिए 10 सूत्रीय एजेंडा

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा राजस्थान में आपदा प्रबंधन एवं आपदा जोखिम वित्तपोषण व्यवस्थाओं की समीक्षा हेतु बैठक का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान में वर्तमान में 221 अग्निशमन केंद्र एवं 708 अग्निशमन वाहन संचालित हैं।
- उच्च भवनों एवं घनी आबादी वाले क्षेत्रों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों को मजबूत करने के लिए विभिन्न शहरों में उच्च क्षमता वाले हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म एवं आधुनिक उपकरण उपलब्ध है।
- राजस्थान में 'आपदा मित्र योजना' के तहत 13 जिलों के 4700 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के सहयोग से राज्य आपदा प्रतिसाद बल (SDRF) द्वारा संपन्न किया गया।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (DRR के लिए 10-सूत्रीय एजेंडा):

- प्रधानमंत्री ने नवंबर, 2016 में नई दिल्ली में आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (AMCDRR) के दौरान आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) के लिए 10-सूत्रीय एजेंडा प्रस्तुत किया था।
- यह एजेंडा भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (NDMP) और सेंडाई फ्रेमवर्क का अभिन्न हिस्सा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

10-सूत्रीय एजेंडा

1. **विकास के सभी क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन:** विकास की सभी परियोजनाओं और योजनाओं में आपदा जोखिम प्रबंधन के सिद्धांतों को शामिल किया जाए, ताकि वे आपदा-प्रतिरोधी बनें।
2. **सभी के लिए जोखिम कवरेज:** गरीब परिवारों, लघु एवं मध्यम उद्यमों (SMEs), बहुराष्ट्रीय कंपनियों से लेकर पूरे राष्ट्र तक सभी के लिए जोखिम कवरेज की व्यवस्था की जाए।
3. **आपदा प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका:** आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं के नेतृत्व और भागीदारी को बढ़ाया जाए, क्योंकि वे आपदा के दौरान अधिक सक्रिय होती हैं।
4. **वैश्विक जोखिम मानचित्रण:** आपदा जोखिमों को बेहतर ढंग से समझने के लिए वैश्विक स्तर पर जोखिम मानचित्रण (Risk Mapping) में निवेश किया जाए।
5. **तकनीक का उपयोग:** आपदा प्रबंधन के प्रयासों में दक्षता बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक का पूरा लाभ उठाया जाए।
6. **विश्वविद्यालयों का नेटवर्क:** आपदा संबंधी मुद्दों, अनुसंधानों और समाधानों पर काम करने के लिए विश्वविद्यालयों का एक नेटवर्क विकसित किया जाए।
7. **सोशल मीडिया और मोबाइल तकनीक:** आपदा के दौरान सूचनाओं के प्रसार, त्वरित चेतावनी और बचाव के लिए सोशल मीडिया तथा मोबाइल तकनीकों का उपयोग किया जाए।
8. **स्थानीय क्षमता निर्माण:** स्थानीय स्तर पर क्षमता विकसित करने पर जोर दिया जाए, क्योंकि आपदा के समय पहला रिस्पॉन्डर स्थानीय समुदाय ही होता है।
9. **आपदा से सीखें:** प्रत्येक आपदा के बाद मिली सीख का उपयोग करके भविष्य की रणनीतियों को सुधारा जाए।
10. **अंतरराष्ट्रीय सहयोग:** आपदाओं के प्रति अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और सहयोग में अधिक सामंजस्य (Cohesion) लाया जाए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**त्रिनिदाद और टोबैगो में 'जयपुर फुट प्रोस्थेटिक लिम्ब' केंद्र का उद्घाटन** ■ हाल ही में, त्रिनिदाद और टोबैगो की राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन में 'जयपुर फुट प्रोस्थेटिक लिम्ब' केंद्र का उद्घाटन किया गया। ■ इस केंद्र का उद्घाटन भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर द्वारा किया गया। ■ यह केंद्र 'जयपुर फुट USA', भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (BMVSS) और स्थानीय सरकार के संयुक्त प्रयासों से स्थापित किया गया है। ■ **उद्देश्य :** त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ-साथ अन्य कैरेबियाई देशों के दिव्यांग व्यक्तियों को स्थानीय स्तर पर आधुनिक और टिकाऊ कृत्रिम अंग (प्रोस्थेटिक लिम्ब्स) उपलब्ध कराना।
2.	**जोधपुर में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग (CSTT) की बैठक** ■ हाल ही में, जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (JNVU) में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग (CSTT) की पाँच दिवसीय विशेष बैठक का आयोजन किया गया। ■ वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग (CSTT) केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक संस्थान है, जिसका मुख्य कार्य हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दों का विकास, परिभाषा और मानकीकरण करना है। ■ इस बैठक में 'गिग वर्कर' के लिए 'परिभ्रमी कामगार' और 'लॉकडाउन' के लिए 'पूर्णबंदी' जैसे शब्दों को स्वीकृति प्रदान की गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	**राजस्थान के शहरी विकास और आवास (UDH) मंत्री का डेनमार्क दौरा** ■ राजस्थान के शहरी विकास और आवास (UDH) मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने हाल ही में उन्नत शहरी बुनियादी ढांचे और स्थिरता मॉडलों का अध्ययन करने के लिए डेनमार्क की यात्रा के दौरान राज्य प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।
4.	**ऋण वसूली अधिकरण द्वारा विशेष लोक अदालत का आयोजन** ■ वित्त मंत्रालय के ऋण वसूली अधिकरण (DRT) द्वारा लंबित बैंकिंग और वित्तीय विवादों के त्वरित निपटारे के लिए वर्ष 2026 में देश भर में चार विशेष लोक अदालतों के आयोजन की योजना बनाई गई है। ■ इसी क्रम में अधिकरण द्वारा 8 मई, 2026 को जयपुर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। ■ इस विशेष लोक अदालत के माध्यम से बैंकिंग एवं वित्तीय मामलों से जुड़े लंबित विवादों को आपसी सहमति से शीघ्र निपटाने का अवसर प्रदान किया गया।
5.	**हैदराबाद में GRAM - 2026 के तहत इन्वेस्टर्स मीट** ■ जयपुर में आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM) - 2026 के प्री-प्रोग्राम के रूप में 8 मई, 2026 को हैदराबाद (तेलंगाना) में इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया। ■ इस कार्यक्रम के माध्यम से निवेशकों, कृषि-तकनीक (agri-tech) स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के लीडर्स को राजस्थान में कृषि आधारित उद्योगों में निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। ■ हैदराबाद में आयोजित इस कार्यक्रम में फूड पार्क, बीज और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्रों के लिए ₹200 करोड़ से अधिक के निवेश समझौतों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

6.	**राजस्थान में 83वाँ अंगदान** ■ जयपुर स्थित सवाई मानसिंह अस्पताल में प्रदेश का 83वाँ कैडेवर अंगदान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ■ **अंगदाता :** वाटिका (जयपुर) निवासी ओमप्रकाश सोनी। ■ उल्लेखनीय है कि अब तक प्रदेश में कुल 83 कैडेवर अंगदान के माध्यम से 291 अंग एवं ऊतक दान किए जा चुके हैं। ■ अब तक 154 किडनी, 71 लीवर, 35 हृदय, 9 फेफड़े, 2 हार्ट वाल्व, 2 पैंक्रियास, 18 कॉर्निया अंगदान के माध्यम से प्राप्त हुए हैं।
7.	**नवीन आपराधिक कानूनों और साइबर कानून पर कार्यशाला** ■ 9 मई, 2026 को जयपुर में 'नवीन आपराधिक कानूनों और साइबर कानून' पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। ■ **आयोजन स्थल :** बीएम बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर। ■ **आयोजक :** विधि एवं विधिक कार्य विभाग, राजस्थान। ■ **कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य :** सरकारी वकीलों और लोक अभियोजकों को कानून के बदलते स्वरूप से अवगत कराना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

कृष्णा स्वामीनाथन और लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि

मुख्य बिन्दु:

	कृष्णा स्वामीनाथन	लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि
चर्चा में क्यों?	सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है।	सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि को अगला प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सी.डी.एस) नियुक्त किया है।
प्रभार	यह एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लेंगे, जो 31 मई, 206 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।	यह जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 मई, 2026 को समाप्त हो रहा है।
वर्तमान पद	यह वर्तमान में पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के पद पर कार्यरत हैं।	यह वर्तमान में सितंबर, 2025 से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास एवं संस्कृति

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर: 165वीं जयंती

चर्चा में क्यों?

- रवींद्रनाथ टैगोर जयंती हर साल बंगाली महीने बैशाख की 25वीं तारीख को मनाई जाती है, जिसे 'पोचिशे बोइशाख' कहा जाता है। इस वर्ष पश्चिम बंगाल में यह उत्सव 9 मई, 2026 (165 वीं जयंती) को मनाया गया।

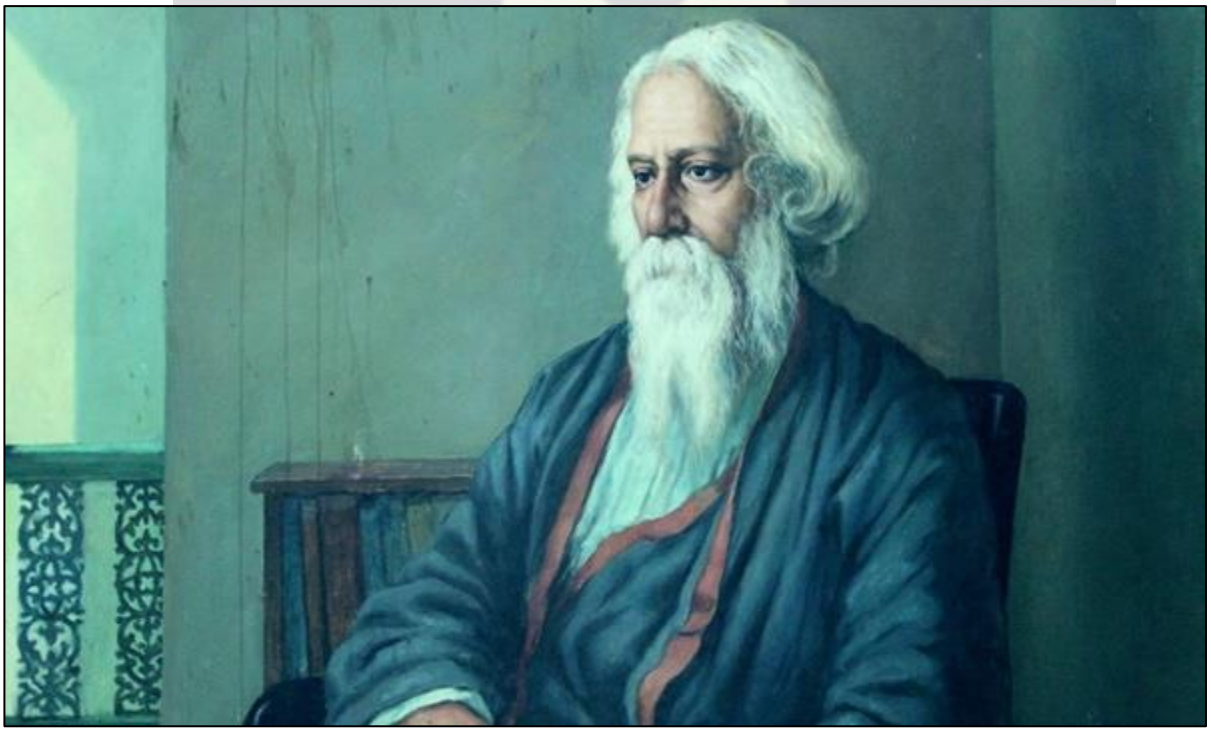

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** रवींद्रनाथ टैगोर को मुख्य रूप से लेखक, कवि, नाटककार, दार्शनिक एवं एस्थेटिशियन,संगीतकार एवं कोरियोग्राफर और चित्रकार के रूप में जाना जाता है।
- **उपनाम:** गुरुदेव', 'कविगुरु' और 'विश्वकवि'
- **प्रारम्भिक जीवनी:** रवींद्रनाथ टैगोर (1861-1941) का जन्म एक संपन्न परिवार 7 मई, 1861 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता), बंगाल प्रेसीडेंसी में हुआ था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **परिवार:** पिता; बेंद्रनाथ टैगोर (प्रमुख ब्रह्म समाज सुधारक) एवं मत; शारदा देवी।
- **निधन:** 7 अगस्त, 1941 को कलकत्ता।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान:

- लेखन और गीतों के माध्यम से स्वदेशी आंदोलन का समर्थन किया।
- उन्होंने ब्रिटिश दमनकारी नीतियों का विरोध किया और जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद वर्ष 1919 में अपनी नाइटहुड उपाधि का त्याग कर दिया। (वर्ष 1915 में उन्हें ब्रिटिश राजा जॉर्ज पंचम द्वारा नाइटहुड से सम्मानित किया गया था।)
- जब अंग्रेजों ने वर्ष 1905 में बंगाल का विभाजन किया, तब उन्होंने "आमार सोनार बांग्ला" की रचना की, जो बाद में बांग्लादेश का राष्ट्रगान बन गया। अन्याय के विरुद्ध संघर्ष जारी रखने के उद्देश्य से रचा गया उनका गीत "एकला चलो रे" बहुत लोकप्रिय हुआ।

साहित्य में योगदान:

- उन्होंने 2000 से अधिक गीतों की रचना की है और उनके गीतों और संगीत को 'रवींद्र संगीत' कहा जाता है।
- शैक्षणिक संस्थान विश्व भारती की स्थापना की।
- वर्ष 1928 और 1940 के बीच रवींद्रनाथ टैगोर ने 2,000 से अधिक चित्र बनाए।
- वह वर्ष 1913 में अपने उपन्यास 'गीतांजलि' के लिए साहित्य में नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय और पहले गैर-यूरोपीय बने।
- 'बंगाल के बार्ड' के रूप में प्रसिद्ध टैगोर ने भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के राष्ट्रगान भी लिखे।
- उन्होंने वर्ष 1929 और 1937 में विश्व धर्म संसद में भाषण दिया था।
- उनकी प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियों में गीतांजलि, गोरा, घरे-बाइरे, चोखेर बाली, मानसी, बलका, सोनार तोरी और शेषेर कोबिता शामिल हैं।
- 16 वर्ष की आयु में ' भानुसिम्हा ' उपनाम से अपनी पहली कविताएँ प्रकाशित कीं ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

दर्शन और दृष्टिकोण:

- उन्होंने सार्वभौमिक मानवतावाद को बढ़ावा दिया, जिसमें पूर्वी आध्यात्मिक मूल्यों को पश्चिमी उदारवाद के साथ मिलाया गया।
- उन्होंने मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य, शिक्षा में स्वतंत्रता और व्यक्तियों की गरिमा की वकालत की।
- वे उपनिषदों में निहित रूढ़िवाद-विरोधी आध्यात्मिकता में विश्वास रखते थे।

पुरस्कार:

पुरस्कार	वर्ष	योगदान
साहित्य में नोबेल पुरस्कार	1913	टैगोर उनकी कविता संग्रह "गीतांजलि" के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले एशियाई व्यक्ति थे।
ब्रिटिश साम्राज्य के ऑर्डर के नाइट कमांडर	1915	टैगोर को उनकी साहित्यिक उपलब्धियों और अंतर्राष्ट्रीय समझ को बढ़ावा देने के प्रयासों के सम्मान में ब्रिटिश राजशाही द्वारा।
बंगाल की रॉयल एशियाटिक सोसाइटी का स्वर्ण पदक	1917	टैगोर को बंगाली साहित्य में उनके उत्कृष्ट योगदान
लंदन शहर की मानद नागरिकता	1921	साहित्य और संस्कृति में उनके उत्कृष्ट योगदान
भारत का गौरव	2019	राष्ट्र के प्रति उनके योगदान, मरणोपरांत कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा "प्राइड ऑफ इंडिया" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भूगोल एवं भू-विज्ञान

स्वराज द्वीप (हैवलॉक द्वीप)

चर्चा में क्यों?

- अंडमान और निकोबार प्रशासन ने मई, 2026 में स्वराज द्वीप (हैवलॉक द्वीप) में सबसे बड़ा जलमग्न राष्ट्रीय ध्वज (60m x 40m) और सबसे ऊँचा जलमग्न मानव स्टैक (20 मीटर) फहराकर दो विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं।

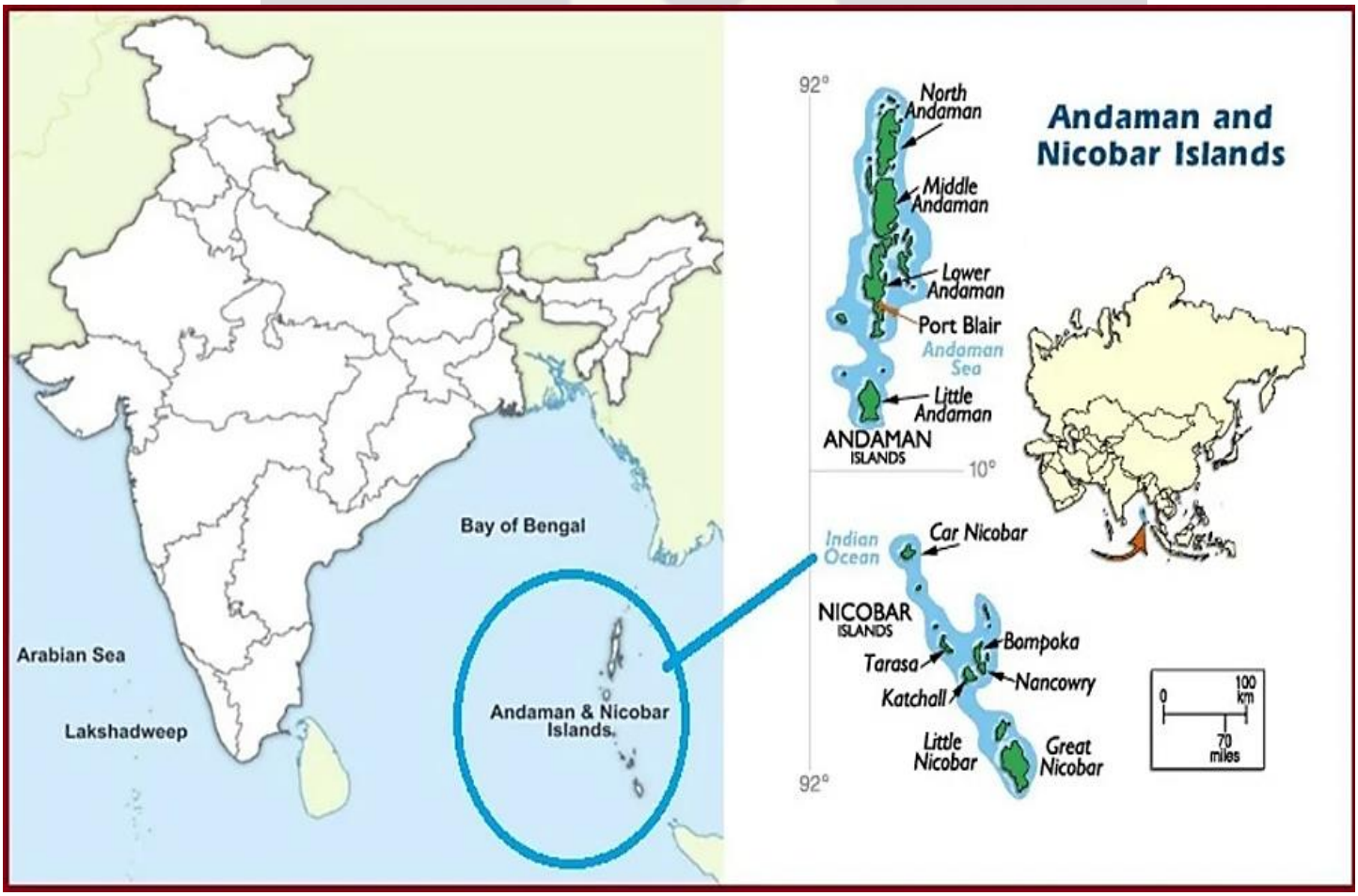

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** स्कूबा डाइविंग और समुद्री पर्यटन को वैश्विक मानचित्र पर लाना, साथ ही मरीन बायोडायवर्सिटी का संदेश देना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विश्व रिकॉर्ड		
प्रतियोगिता	"पानी के अंदर सबसे बड़ा झंडा फहराया " प्रतियोगिता।	"पानी के अंदर सबसे ऊंचा मानव स्टैक " प्रतियोगिता।
तिथि	2 मई, 2026 (ध्वज) को राधा नगर बीच, स्वराज द्वीप, अंडमान।	3 मई, 2026 (मानव स्टैक) को लाइटहाउस एरिया, स्वराज द्वीप, अंडमान।
विश्व रिकॉर्ड	200 से अधिक गोताखोरों द्वारा 60 मीटर लंबे और 40 मीटर चौड़े तिरंगे को पानी के अंदर फहराया गया।	गोताखोरों ने लाइटहाउस क्षेत्र में 20 मीटर ऊँचे मानव स्टैक (Human Stack) का निर्माण किया गया।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

अंडमान व निकोबार द्वीप समूह:

- **परिचय:** अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश है जिसमें बंगाल की खाड़ी में स्थित 836 द्वीप, टापू और चट्टानें शामिल हैं।
- **अवस्थिति:** भारतीय मुख्य भूमि से लगभग 1,300 किमी. दूर तथा मलक्का जलडमरूमध्य (विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक) के निकट स्थित ये द्वीप भारत की सुदूर पूर्वी सीमा पर अवस्थित हैं, जो महत्त्वपूर्ण वैश्विक समुद्री मार्गों पर निगरानी रखने वाली एक प्राकृतिक समुद्री चौकी का कार्य करते हैं।
- **उत्पत्ति:** अंडमान और निकोबार द्वीप समूह ज्वालामुखी/विवर्तनिक गतिविधि से निर्मित हैं और इन्हें पन्ना द्वीप भी कहा जाता है।
- **विस्तार:** यह द्वीप एक चापाकार श्रृंखला (पश्चिम की ओर उत्तल) बनाते हैं और 6° 45' उत्तर से 13° 41' उत्तर और 92° 12' पूर्व से 93° 57' पूर्व तक फैले हुए हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- ये लगभग 590 किलोमीटर की दूरी तक फैले हुए हैं, जिनकी अधिकतम चौड़ाई लगभग 58 किलोमीटर है।
- **द्वीपसमूह के प्रमुख द्वीप:** इन्हें दो अलग-अलग द्वीप समूहों में विभाजित किया गया है - अंडमान द्वीप समूह और निकोबार द्वीप समूह।
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की राजधानी:** पोर्ट ब्लेयर (दक्षिण अंडमान)।
- **सैडल पीक:** उत्तरी अंडमान में स्थित सैडल पीक (737 मीटर) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सबसे ऊंची चोटी है।
- **10 डिग्री उत्तरी अक्षांश:** लगभग 10 डिग्री उत्तरी अक्षांश के पास स्थित टेन डिग्री चैनल, अंडमान द्वीप समूह को निकोबार द्वीप समूह से अलग करती है।
- ये द्वीप पाँच विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) का घर हैं : ग्रेट अंडमानी, जारवा, ओंगे, शोम्पेन और सेंटिनली।
- **जैव विविधता:** उष्णकटिबंधीय वर्षावन, मैंग्रोव, प्रवाल भित्तियाँ और स्थानिक वनस्पति और जीव प्रजातियाँ।
- यहाँ भारत का एकमात्र एकीकृत त्रि-सेवा कमांड स्थित है।

अंडमान द्वीप समूह:

- **क्षेत्रफल:** अंडमान की लंबाई लगभग 260 किमी और चौड़ाई लगभग 30 किमी है।
- **उपसमूह:** इन द्वीपों को तीन प्रमुख उपसमूहों में विभाजित किया गया है - उत्तरी अंडमान, मध्य अंडमान और दक्षिणी अंडमान।
- इस द्वीपसमूह के दो प्रमुख द्वीपसमूह लिटिल अंडमान और ग्रेट अंडमान 50 किलोमीटर चौड़े डंकन पैसेज द्वारा एक दूसरे से अलग होते हैं।
- **आबादी:** इस द्वीपसमूह में केवल/ लगभग 24 द्वीप ही आबाद हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

निकोबार द्वीप समूह:

- **क्षेत्रफल:** भारत में स्थित द्वीपों का यह समूह 262 किलोमीटर की लंबाई और अधिकतम 58 किलोमीटर की चौड़ाई में फैला हुआ है और इसका क्षेत्रफल 1,653 वर्ग किलोमीटर है।
- **उपसमूह:** इन द्वीपों को तीन प्रमुख उपसमूहों में विभाजित किया गया है – उत्तरी समूह, मध्य समूह और दक्षिणी समूह। प्रत्येक उपसमूह के प्रमुख द्वीप इस प्रकार हैं:
  - **उत्तरी समूह:** कार निकोबार और बत्तीमालवी।
  - **केंद्रीय समूह:** चौरा, चौरा या सनेन्यो, टेरेसा या लुरो, बोम्पुका या पोहाट, कचल, कैमोर्ता, नानकोवरी, ट्रिंकेट, लाउक या आइल ऑफ मैन, टिल्लांगचोंग, आदि।
  - **दक्षिणी समूह:** ग्रेट निकोबार (निकोबार का सबसे बड़ा द्वीप), लिटिल निकोबार, कोंडुल द्वीप, पुलो मिलो या पिलोमिलो (मिलो द्वीप), मेरो, ट्रैक, ट्रेइस, मेनचल, काबरा, कबूतर और मेगापोड।
- **ग्रेट निकोबार द्वीप:** निकोबार समूह का सबसे बड़ा द्वीप है, जो लगभग 910 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है तथा इस द्वीप पर स्थित इंदिरा प्वाइंट भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु है।
- **आबादी:** इस द्वीपसमूह में केवल/लगभग 12 द्वीप ही आबाद हैं।
- इनमें से अधिकांश द्वीपों का आधार ज्वालामुखी है और ये तृतीयक बलुआ पत्थर, चूना पत्थर और शेल से बने हैं।
- **बैरन और नारकोंडम द्वीप:** पोर्ट ब्लेयर के उत्तर में स्थित बैरन और नारकोंडम द्वीप ज्वालामुखीय द्वीप हैं ।
- कुछ द्वीपों के किनारे प्रवाल भित्तियों से घिरे हुए हैं।

निम्नलिखित तीन द्वीपों के नाम वर्ष 2018 में बदल दिए गए थे:

- रॉस द्वीप का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप कर दिया गया है।
- नील द्वीप का नाम बदलकर शहीद द्वीप कर दिया गया है।
- हैवलॉक द्वीप का नाम बदलकर स्वराज द्वीप कर दिया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से संबंधित प्रमुख मुद्दे:

1. **संप्रभुता के लिये अस्तित्वगत खतरे:** जनजातीय आरक्षित क्षेत्रों पर विकासात्मक अतिक्रमण, शोम्पेन और जारवा जैसे विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG) के अस्तित्व को बलपूर्वक संपर्क और आवासीय हानि के माध्यम से खतरे में डालता है।
2. **समुद्री ग्रे ज़ोन:** विशाल, अनियंत्रित तटरेखा एक "असुरक्षित सीमा" बनाती है, जो अवैध, अनियमित और अनियंत्रित (IUU) मत्स्य पालन और गैर-राज्यीय अभिकर्त्ताओं जैसे रोहिंग्या शरणार्थियों के घुसपैठ के प्रति संवेदनशील है।
3. **अपरिवर्तनीय पारिस्थितिकी विनाश:** बड़े पैमाने पर अवसंरचना परियोजनाएँ, विशेष रूप से ग्रेट निकोबार द्वीप (GNI) परियोजना, वर्षावनों को नष्ट करने और संकटग्रस्त प्रजातियों के लिये महत्त्वपूर्ण समुद्री घोंसला निर्माण क्रिया वाले क्षेत्रों को खतरा उत्पन्न करती हैं।
4. **रणनीतिक सैन्यीकरण बनाम राजनयिक तनाव:** चीन के समुद्री विस्तार का सामना करने के लिये द्वीपों को "अभेद्य विमानवाहक पोत" में बदलने का प्रयास दक्षिण पूर्व एशियाई पड़ोसियों के साथ क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाने का जोखिम उत्पन्न करता है।
5. **भूवैज्ञानिक और जलवायु संबंधी संवेदनशीलता:** यह द्वीप समूह भूकंपीय क्षेत्र V में स्थित है, जिससे यह विनाशकारी भूकंपों और सुनामियों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो जाता है।
6. **डिजिटल कनेक्टिविटी की कमी:** समुद्र के नीचे बिछाई गई केबलों के चालू होने के बावजूद, द्वीपसमूह को अभी भी अविश्वसनीय इंटरनेट बैंडविड्थ और दूरस्थ द्वीपों में "डिजिटल शैडोज़" का सामना करना पड़ता है, जो शासन और डिजिटल अर्थव्यवस्था में बाधा डालता है।
7. **जल-संकट:** ये द्वीप ताज़े जल की कमी से जूझ रहे हैं और पर्यटन तथा सैन्य कर्मियों की नियोजित वृद्धि सीमित जलभंडार पुनर्भरण दरों की अनदेखी करती है, जिससे "संसाधन जाल" उत्पन्न होता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री: शुभेंदु अधिकारी

चर्चा में क्यों?

- 9 मई, 2026 को भारतीय जनता पार्टी (BJP) के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

मुख्य बिन्दु:

- **कार्यक्रम:** भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने 15 मार्च, 2026 को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के लिए आम चुनाव और 6 राज्यों में उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया।
- **मतदान:** पश्चिम बंगाल के आम चुनावों के चरण-I में, मतदान में भागीदारी 93.19% तथा चरण-II में मतदान में भागीदारी 91.66% रही। दोनों चरणों को मिलाकर कुल मतदान प्रतिशत 92.47% रहा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

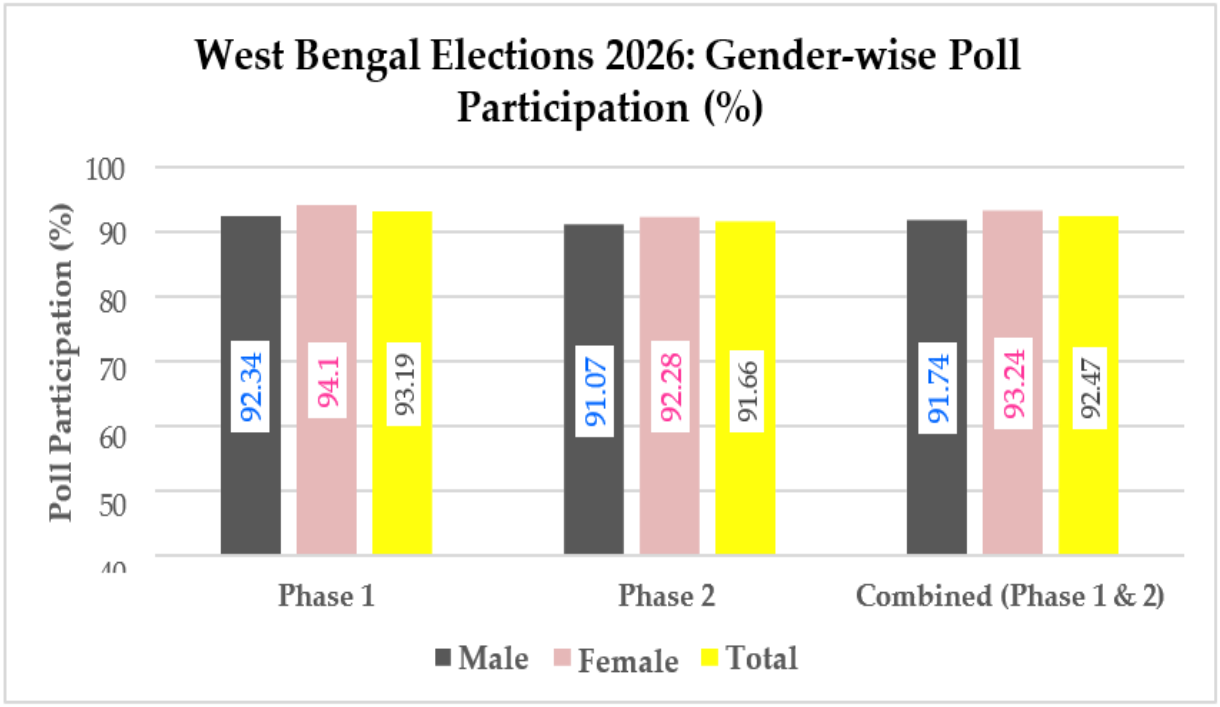

*As per data uploaded by the PROs themselves in **ECINET**. Data from **5,343 PS** in WB yet to be updated
+Data is provisional and it does not include Service Voters & Postal Ballots. Final figures will be shared in Index Cards through **ECINET**

- **इससे पहले, पश्चिम बंगाल में मतदान में सबसे ज़्यादा भागीदारी 84.72% (वर्ष 2011) थी।**
- **मुख्यमंत्री: सुवेंदु अधिकारी (BJP)।**
- **शपथ ग्रहण: 9 मई, 2026 को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में।**
- **प्रमुख उपलब्धि: वर्ष 2026 चुनाव में भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव जीता।**
- **पिछली भूमिका: 2021-2026 तक पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता।**
- **विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के आम चुनाव मई, 2026 के रूझान एवं परिणाम: पश्चिम बंगाल (कुल सीट: 294)**

पार्टी का नाम	सीटों की संख्या
भारतीय जनता पार्टी	207
ऑल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस	80
आम जनता उन्नयन पार्टी	2
इंडियन नेशनल कांग्रेस	2
ऑल इंडिया सेक्यूलर फ्रंट	1
कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट)	1

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राज्य	विधानसभा की अवधि	विधानसभा निर्वाचन-क्षेत्रों की कुल संख्या	अनु. जातियों के लिए आरक्षित	अनु. जनजातियों के लिए आरक्षित
पश्चिम बंगाल	08-05-2021 से 07-05-2026	294	68	16

- भाजपा ने विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए ऑल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस (TMC) के 15 साल के शासन का अंत किया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विधिक मुद्दे

'भारत में अपराध, 2024' रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) द्वारा जारी 'भारत में अपराध, 2024' (Crime in India, 2024) रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में कुल संज्ञेय अपराधों में 6% की गिरावट आई है, जबकि साइबर अपराधों में 17.9% की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है।

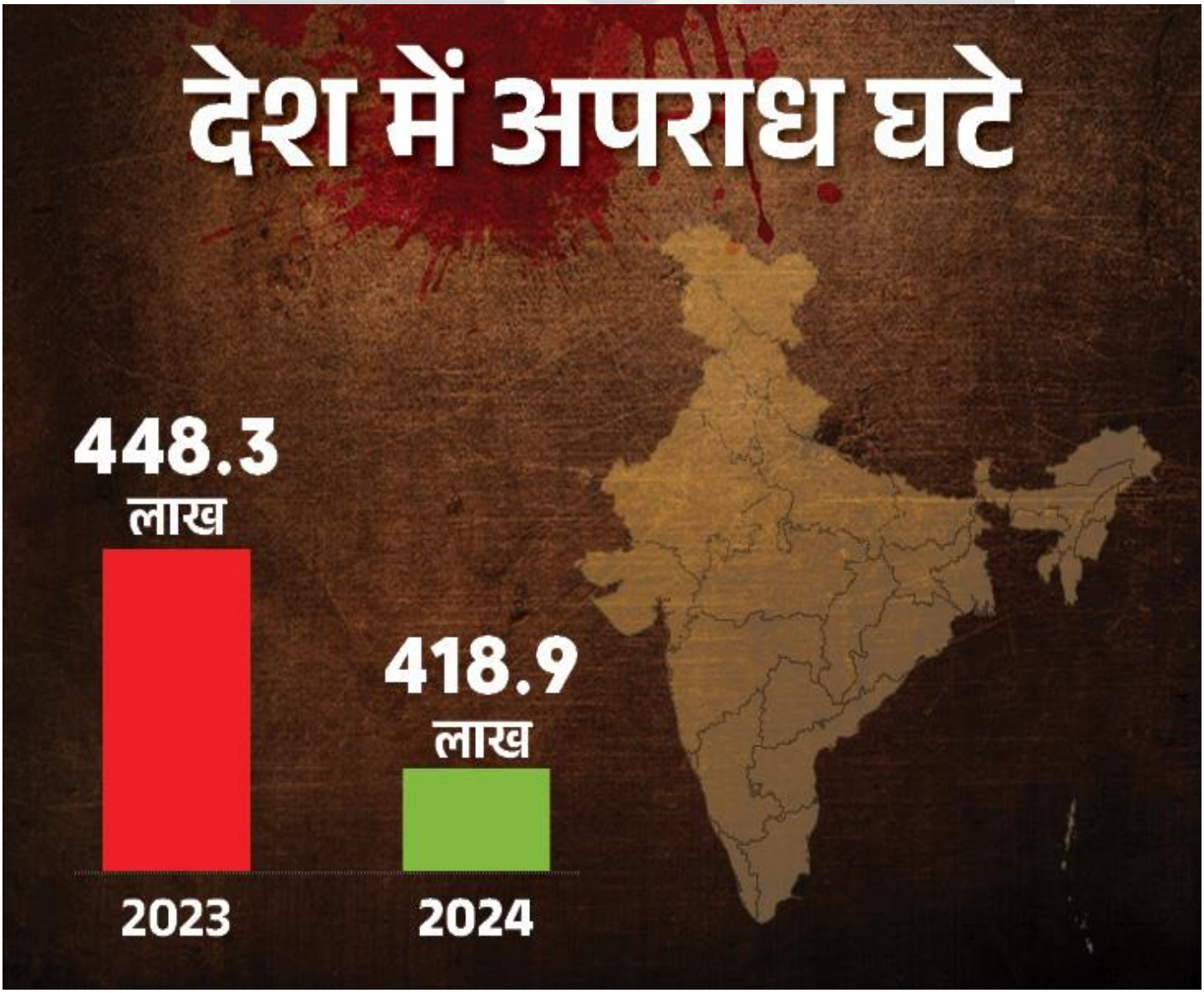

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

'भारत में अपराध, 2024' रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष:

- **अपराध दर:** अपराध दर, जो प्रति लाख जनसंख्या पर दर्ज मामलों का माप है, वर्ष 2023 में 448.3 से घटकर वर्ष 2024 में 418.9 हो गई, जो वर्ष 2019 के बाद से सबसे कम है।
- **संज्ञेय अपराध:** वर्ष 2024 में कुल 58.85 लाख संज्ञेय अपराध पंजीकृत हुए, जो वर्ष 2023 की तुलना में 6% कम हैं।(6% की गिरावट का मुख्य कारण भारतीय न्याय संहिता, 2023 का कार्यान्वयन हैं।)
- **हत्या और अपहरण:** हत्या के मामलों में 2.4% की मामूली गिरावट दर्ज की गई, जिसमें 'विवाद' प्रमुख कारण बना रहा। वहीं, अपहरण और अगवा करने के मामलों में 15.4% की उल्लेखनीय गिरावट आई।
- **महिला अपराध:** महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 1.5% की कमी आई है, वर्ष 2024 में 4.41 लाख मामले दर्ज किए गए, जबकि वर्ष 2023 में यह संख्या 4.48 लाख थी।
- हालांकि, अपराध दर प्रति लाख महिला आबादी पर 64.6 (2023 में 66.2) पर उच्च बनी हुई है, जिसमें 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता' प्रमुख अपराध बना हुआ है।
- **वरिष्ठ नागरिक अपराध:** वर्ष 2024 में वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों में 16.9% की वृद्धि हुई।
- **आर्थिक अपराध:** वर्ष 2024 में इनमें 4.6% की वृद्धि हुई, जिनमें से अधिकांश मामले जालसाजी, धोखाधड़ी और जालसाजी (FCF) से संबंधित थे।
- **पर्यावरण संबंधी अपराध:** वर्ष 2024 में इनमें 16.4% की गिरावट आई, जिनमें से अधिकांश मामले सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA), 2003 के तहत् दर्ज किए गए, इसके बाद ध्वनि प्रदूषण अधिनियमों का स्थान रहा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **राज्यवार विविधता:**

रैंक	राज्य
1st	**तेलंगाना: वर्ष 2024 में संज्ञेय अपराधों की कुल संख्या में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई और यह देश में सबसे अधिक अपराध दर (प्रति लाख जनसंख्या पर मामले) वाले राज्यों में से एक के रूप में उभरा।**
2nd	**उत्तर प्रदेश: प्रति व्यक्ति अपराध दर सबसे अधिक (7.4) दर्ज की गई**
3rd	**अरुणाचल प्रदेश**
4th	**झारखंड**
अंतिम	**नागालैंड: देश में सबसे कम अपराध दर दर्ज की गई।**

साइबर अपराध:

- **वर्ष 2024 की रिपोर्ट से सबसे चिंताजनक बात यह सामने आई है कि डिजिटल अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है, जो 17% बढ़कर 1.01 लाख दर्ज मामलों को पार कर गया है।**
- **इस श्रेणी के अंतर्गत अपराध दर 2023 में 6.2 से बढ़कर 2024 में 7.3 हो गई।**
- **डिजिटल गिरफ्तारी: वर्ष 2024 में एक प्रमुख नया चलन 'डिजिटल गिरफ्तारी' धोखाधड़ी में तेजी से वृद्धि थी।**

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (NCRB):

- **स्थापना: NCRB की स्थापना वर्ष 1986 में टंडन समिति (वर्ष 1974), राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और गृह मंत्रालय के टास्क फोर्स (वर्ष 1985) की सिफारिशों के आधार पर की गई थी।**
- **मंत्रालय: गृह मंत्रालय (MHA), भारत सरकार**
- **मुख्यालय: नई दिल्ली**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **मुख्य उद्देश्य: अपराध और अपराधियों से संबंधित जानकारी के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र और भंडार के रूप में कार्य करना, और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अपराधों को उनके अपराधियों से जोड़ने में सहायता करना।**

प्रमुख प्रकाशन:

1. **भारत में अपराध (विस्तृत अपराध आँकड़े)**
2. **भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्याएँ (ADSI)**
3. **भारत में जेल के आँकड़े**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन (TARA) हथियार

चर्चा में क्यों?

- 7 मई, 2026 को ओडिशा के तट पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और भारतीय वायु सेना (IAF) ने सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन (TARA; टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज ऑग्मेंटेशन) हथियार का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** TARA एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है, जो भारत की पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली है। TARA अनिर्देशित वारहेड को सटीक निर्देशित हथियारों में बदल देती है।
- **डिज़ाइन और विकसित:** हैदराबाद स्थित इमारात अनुसंधान केंद्र (RCI) ने DRDO की अन्य प्रयोगशालाओं के सहयोग से डिज़ाइन और विकसित किया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इस किट का निर्माण विकास सह उत्पादन साझेदारों (DCPP) और अन्य भारतीय उद्योगों के सहयोग से किया गया है। इसका उत्पादन कार्य शुरू कर दिया गया है।
- **उद्देश्य:** ज़मीनी लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए कम लागत वाले हथियार की मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ाना।

प्रमुख विशेषताएँ:

1. **कम लागत:** यह अत्याधुनिक कम लागत वाली प्रणालियों का उपयोग करने वाला पहला ग्लाइड हथियार है।
2. **स्वदेशी ग्लाइड प्रणाली:** यह अपनी तरह की पहली हथियार प्रणाली है, जिसे पूरी तरह से भारत में विकसित किया गया है ताकि पारंपरिक बमों को ग्लाइडिंग क्षमता प्रदान की जा सके।
3. **मॉड्यूलर डिजाइन:** विभिन्न प्रकार के गैर-निर्देशित युद्धक हथियारों के साथ आसानी से एकीकृत किया जा सकता है।
4. **सटीक मार्गदर्शन**
5. **उन्नत रेंज**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय नौसेना की पांचवीं फ्लीट सपोर्ट शिप की 'स्टील कटिंग'

चर्चा में क्यों?

- 8 मई, 2026 को विशाखापत्तनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (HSL) में पाँच फ्लीट सपोर्ट शिप (FSS) में से पाँचवें और अंतिम जहाज की 'स्टील कटिंग' समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **अनुबंध और आपूर्ति:** भारतीय नौसेना ने अगस्त, 2023 में HSL के साथ पाँच फ्लीट सपोर्ट शिप (FSS) के अधिग्रहण से संबंधित अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे, जिनकी आपूर्ति वर्ष 2027 के मध्य में शुरू होनी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **विशेषताएँ:** कुल 40,000 टन से अधिक विस्थापन वाले ये जहाज ईंधन, पानी, गोला-बारूद और भंडार की आपूर्ति करेंगे, जिससे बेड़े के जहाजों की दीर्घकालिक तैनाती संभव हो सकेगी और इस प्रकार बेड़े की रणनीतिक पहुँच और गतिशीलता में वृद्धि होगी।
- **महत्त्व:** इन जहाजों के शामिल होने पर, FSS समुद्र में बेड़े के जहाजों की आपूर्ति करके भारतीय नौसेना की ब्लू वाटर क्षमताओं को मजबूत करेंगे।
- इन जहाजों को मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभियानों और गैर-लड़ाकू निकासी अभियानों (NEO) के लिए सुसज्जित किया जाएगा।
- पूरी तरह से स्वदेशी डिजाइन और अधिकांश उपकरणों की स्वदेशी निर्माताओं से खरीद के साथ, यह FSS परियोजना भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' से संबंधित पहलों के अनुरूप भारतीय जहाज निर्माण उद्योग को बढ़ावा देगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सिंदूर ऑपरेशन: 1 वर्ष

चर्चा में क्यों?

- 7 मई, 2026 को ऑपरेशन सिंदूर का एक वर्ष पूर्ण हो गया हैं।

मुख्य बिन्दु:

भारत की रक्षा क्षमताओं की मजबूती हेतु आवश्यक प्रयास:

1. **भूमिगत युद्ध अवसंरचना:** सक्रिय संघर्ष के दौरान परिचालन निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए कमान और कोर स्तर पर बड़े पैमाने पर भूमिगत कमान और नियंत्रण केंद्रों के निर्माण पर प्राथमिक ध्यान केंद्रित किया गया है।
2. **आक्रामक हवाई रक्षा:** S-400 ट्रायम्फ और स्वदेशी प्रोजेक्ट कुशा (लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली) जैसी लंबी दूरी की प्रणालियों का उपयोग करके "दुश्मन को उनके अपने हवाई क्षेत्र से वंचित करने" के लिए क्षमताओं का विस्तार किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3. **वायु रक्षा का विकास:** ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ड्रोन हमलों से मिले सबक के बाद, भारत मिशन सुदर्शन चक्र के तहत एक व्यापक सुरक्षा कवच स्थापित कर रहा है और आकाशतीर (सेना), एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली (वायु सेना) और त्रिगुन (नौसेना) के एकीकृत नेटवर्क को मजबूत कर रहा है।
4. **मानवरहित विमान प्रणाली (UAS) और ड्रोन विरोधी रणनीति:** खरीद में कम लागत वाले ड्रोन खतरों को बेअसर करने के लिए मानवरहित विमान प्रणाली (USA) को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें एल/70 विमानरोधी तोपों जैसी पुरानी प्रणालियों के साथ नए सेंसर को एकीकृत किया गया है ।
5. **निर्माण में तकनीकी नवाचार:** सेना पश्चिमी सीमाओं के साथ ईंधन, गोला-बारूद और चिकित्सा सुविधाओं के लिए मजबूत बंकरों के साथ-साथ त्वरित तैनाती और लचीलेपन के लिए 3डी-प्रिंटेड बंकरों का उपयोग कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर:

- **उद्देश्य:** 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए हमले में 26 नागरिकों की मौत के जवाब में और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" नीति को मजबूत करना।
- **परिणाम:** पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी शिविरों को नष्ट किया गया।
- **लक्षित हमले:** भारतीय वायु सेना (IAF) ने स्कैल्प मिसाइलों और हैमर बमों से लैस राफेल जेट का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर में स्थित 9 प्रमुख आतंकी लॉन्चपैड को नष्ट कर दिया।

तकनीक का उपयोग:

1. **स्टॉर्म शैडो एयर-लॉन्च्ड लॉन्ग-रेंज प्रेसिजन (SCALP) मिसाइल या "स्टॉर्म शैडो":** प्रकार- लंबी दूरी की, हवा से दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल, निर्माता - मिसाइल बिजनेस डेवलपमेंट एजेंसी (यूरोपीय रक्षा कंपनी), रेंज- 500 किमी से अधिक।
2. **हाईली एजाइल मॉड्यूलर मुनिशन एक्सटेंडेड रेंज (हैमर) प्रेसिजन-गाइडेड बम:** प्रकार- मध्यम दूरी का, हवा से जमीन पर मार करने वाला बम, निर्माता- सैफरान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड डिफेंस (फ्रांस), रेंज - 60-70 किमी (बूस्टर के साथ)।
3. **आवारागर्दी करने वाले हथियार (कामिकाज़े ड्रोन):** आत्मघाती ड्रोन जो मंडराते हैं और स्वतः ही हमला करते हैं।, वेरिएंट- स्वदेशी (नागास्ट्रा-1, अल्फा-एस) और आयातित (इजरायली हारोप, स्काईस्ट्राइकर)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4. **राफेल लड़ाकू विमान:** डसॉल्ट राफेल 4.5 पीढ़ी का एक बहु-भूमिका लड़ाकू विमान है, जिसे डसॉल्ट एविएशन द्वारा डिजाइन किया गया है।
5. कंधे से दागी जाने वाली MANPADS और LLAD तोपों से लेकर लंबी दूरी की SAM मिसाइलों तक कई तरह की प्रणालियाँ तैनात कीं ।

- नौसेना ने मिग-29के लड़ाकू विमानों और हवाई प्रारंभिक चेतावनी हेलीकॉप्टरों से लैस अपने कैरियर बैटल ग्रुप (सीबीजी) को तैनात किया ।

ऑपरेशन सिंदूर का महत्त्व:

- **राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति:** गृह मंत्रालय (MHA) ने 'प्रहार' (PRAHAAR) शीर्षक से भारत की अब तक की पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति का अनावरण किया है।
- **'प्रहार' (PRAHAAR):** P (Prevention), R (Responses), A (Aggregating), H (Human rights), A (Attenuating), A (Aligning) और R (Recovery)
- **पहली बार लोइटरिंग मुनिशन्स का प्रयोग:** भारतीय नौसेना ने पहली बार लोइटरिंग मुनिशन्स (आत्मघाती ड्रोन) तैनात किए गए।
- **अंतर-सेवा समन्वय में सुधार:** वर्ष 1971 के बाद पहली बार भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच निर्बाध समन्वय का प्रदर्शन, जो भारत की तकनीकी और परिचालन क्षमता को उजागर करता है।
- **संयमित और गैर-आघातकारी जवाबी कार्रवाई:** भारत की प्रतिक्रिया सटीक, केंद्रित और गैर-आघातकारी थी, जिसने व्यापक संघर्ष को भड़काए बिना आतंकवादी शिविरों और नेतृत्व के प्रमुख व्यक्तियों को निशाना बनाया।
- **आत्मरक्षा के अधिकारों का दावा:** सीमा पार आतंकवाद के जवाब में कार्रवाई करते हुए, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत् भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को सुदृढ़ किया गया।
- **आतंकवाद विरोधी मानदंडों को पुनर्परिभाषित करना:** यह अभियान गैर-पारंपरिक आतंकवादी खतरों के खिलाफ पारंपरिक सैन्य बल को वैधता प्रदान करता है, जिससे वैश्विक आतंकवाद-विरोधी सिद्धांतों को नया आकार मिलता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

भारत के प्रमुख भारतीय सैन्य अभियान:

संचालन	नेतृत्व	उद्देश्य
ऑपरेशन मेघदूत, 1984	भारतीय सेना	पाकिस्तानी कब्जे को रोकने के लिए भारतीय सेना द्वारा सियाचिन ग्लेशियर पर कब्जा।
ऑपरेशन ब्लू स्टार, 1984	भारतीय सेना	खालिस्तानी आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए स्वर्ण मंदिर के अंदर सैन्य कार्रवाई की गई।
ऑपरेशन पवन, 1987-90	भारतीय सेना	राजीव-जयवर्धने समझौते के तहत लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) को निरस्त्र करने के लिए श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षक बल (आईपीकेएफ) तैनात किया गया है।
कारगिल युद्ध (ऑपरेशन विजय), 1999	भारतीय सेना	जम्मू-कश्मीर के कारगिल सेक्टर में भारतीय चौकियों से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ना।
ऑपरेशन पराक्रम, 2001-02	तीनों बलों (भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना)	संसद पर हमले के बाद बड़े पैमाने पर सैन्य तैनाती की गई; इसका उद्देश्य पाकिस्तान पर राजनयिक दबाव डालना था।
सर्जिकल स्ट्राइक, 2016	भारतीय सेना (पैराशूट रेजिमेंट – विशेष बल)	उरी हमले के बाद, नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करके पीओके में आतंकी लॉन्चपैडों को निशाना बनाकर हमले किए गए।
बालाकोट हवाई हमले, 2019	भारतीय वायु सेना	पुलवामा आत्मघाती बम हमले के बाद वायु सेना ने पाकिस्तान के बालाकोट स्थित जैश-ए-मोहम्मद के शिविर पर हमला किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR